

Title: Regarding renaming of Port Blair airport in Andaman after the name of Vir Savarkar.

SHRI BASU DEB ACHARIA (BANKURA): Port Blair Airport has been renamed as Vir Savarkar Airport. While renaming the Airport, our Home Minister compared Vir Savarkar with Netaji Subhash Chandra Bose and other freedom fighters of our country. ...*(Interruptions)*

SHRI BASU DEB ACHARIA : We all know that Savarkar was kept in Cellular Jail...*(Interruptions)* He was there for ten years...*(Interruptions)*

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI (RAIGANJ): Sir, how can they dilute history?...*(Interruptions)*

SHRI BASU DEB ACHARIA : ...**(Interruptions)*

MR. CHAIRMAN : I will see the record. If there is anything objectionable, it will be expunged.

...*(Interruptions)*

SHRI BASU DEB ACHARIA : In 1911, he has stated:

"...my conversion to the constitutional line would bring back all those misled youth..."

.....*(Interruptions)* ...*

सभापति महोदय: अगर कुछ आपत्तिजनक हुआ, तो प्रोसीडिंग्स में से निकाल दिया जाएगा।

...*(Interruptions)*

SHRI BASU DEB ACHARIA : In 1911, he stated:

"...my conversion to the constitutional line would bring back all those misled young men in India and abroad who were once looking up to me as their guide."...*(Interruptions)* ...* There was a suggestion that the Port Blair Airport should be named in the memory of the martyrs of our country...*(Interruptions)* I wrote to the Rashtrapatiji...*(Interruptions)* In reply to my letter, Rashtrapatiji has stated that the recommendations have already been forwarded to the Ministry of Home Affairs for appropriate action...*(Interruptions)* The recommendation was to rename the Port Blair Airport as Shaheed Smarak Airport...*(Interruptions)* This Government, without naming it as Shaheed Smarak Airport, has renamed it as Veer Savarkar Airport...*(Interruptions)* Sir, the Civil Aviation Minister is here. He may respond...*(Interruptions)* ...*

12.09 hrs (Mr. Deputy-Speaker *in the Chair*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Will you please take your seats?

...*(Interruptions)*

* Expunged as ordered by the Chair

MR. DEPUTY-SPEAKER: Hon. Members, please resume your seats.

...(Interruptions)

MR. DEPUTY-SPEAKER: I am on my legs.

...(Interruptions)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Hon. Members, please go to your seats.

...(Interruptions)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Please resume your seats.

...(Interruptions)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Shri Amar Roy Pradhan, I am on my legs.

...(Interruptions)

श्री अनंत गंगाराम गीते (रत्नागिरि) : उपाध्यक्ष महोदय, हम सावरकर जी का अपमान इस सदन में सहन नहीं कर सकते। **वे** (व्यवधान) इन्होंने सावरकर जी का अपमान किया है, इन्हें माफी मांगनी चाहिए।

वे (व्यवधान)

श्री मदन लाल खुराना (दिल्ली सदर) : इन्होंने गालियां दी हैं। **वे** (व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Shri Geethe, please sit down.

...(Interruptions)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Shri Ashok Pradhan, will you please resume your seat?

...(Interruptions)

MR. DEPUTY-SPEAKER: I am on my legs.

...(Interruptions)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Hon. Members, will you please allow me to conduct the House?

...(Interruptions)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Shri Lal Muni Chaubey, I am on my legs.

...(Interruptions)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Shri Madan Lal Khurana, will you please hear me for a minute?

...(Interruptions)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Shri Chaubey, will you please resume your seat?

...(Interruptions)

MR. DEPUTY-SPEAKER: If any unparliamentary or defamatory expressions have gone on record, I will expunge it. Now, Shri Basu Deb Acharia may please proceed.

...(Interruptions)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Shri Basu Deb Acharia, will you please resume your seat?

...(Interruptions)

SHRI PRAMOD MAHAJAN: ...(Interruptions) How do you allow such things? ...(Interruptions)

MR. DEPUTY-SPEAKER: I have already told that if there are any unparliamentary or defamatory expressions, I will expunge that.

...(Interruptions)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Shri Basu Deb Acharia, you already had your say.

...(Interruptions)

SHRI BASU DEB ACHARIA : The Home Minister has compared Veer Savarkar with Netaji Subash Chandra Bose. ...(Interruptions) ...*

MR. DEPUTY-SPEAKER: Now, Shri Girdhari Lal Bhargava please.

...(Interruptions)

MR. DEPUTY-SPEAKER: What is this? Nobody is listening.

...(Interruptions)

* Expunged as ordered by the Chair

MR. DEPUTY-SPEAKER: Nothing will go on record.

(Interruptions) *â€

MR. DEPUTY-SPEAKER: Nothing will go on record. Let them shout. Let them show their lung power.

(Interruptions) *â€

MR. DEPUTY-SPEAKER: Shri Girdhari Lal Bhargava to speak now.

...(Interruptions)

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह (वैशाली) : उपाध्यक्ष जी, ...**

â€ (व्यवधान)

डॉ. विजय कुमार मल्होत्रा (दक्षिण दिल्ली) : उपाध्यक्ष जी, महान स्वतंत्रता सेनानी वीर सावरकर को भारत-रत्न की उपाधि देनी चाहिए। भारत में वीर सावरकर से बड़ा कोई स्वतंत्रता सेनानी नहीं हुआ है।â€ (व्यवधान) आज वीर सावरकर के खिलाफ बोलकर इन्होंने सारे स्वतंत्रता सेनानियों का अपमान किया है।â€ (व्यवधान) इन्होंने सुभाचन्द्र बोस का, गांधी जी का अपमान किया है। इन्हें सदन से माफी मांगनी चाहिए।â€ (व्यवधान) हमें गर्व है कि आज अंडमान-निकोबार का नामकरण वीर सावरकर के नाम पर कर दिया है। जो लोग वीर सावरकर को गाली दे रहे हैं, उनका अपमान कर रहे हैं â€ (व्यवधान) इन्होंने आजादी की लड़ाई का अपमान किया है।â€ (व्यवधान)

उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अशोक प्रधान) : इन्हें माफी मांगनी चाहिए।â€ (व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Shri Ashok Pradhan, you are a Minister now. Please take your seat.

...(Interruptions)

श्री किरीट सोमैया (मुम्बई उत्तर पूर्व) : सर, इन्हें माफी मांगनी चाहिए।â€ (व्यवधान)

श्री हन्नान मोल्लाह (उलूबेरिया) :...**

हम क्यों माफी मांगेंगे। (व्यवधान)

* Not Recorded

** Expunged as ordered by the chair

श्री मदन लाल खुराना : उपाध्यक्ष जी, वासुदेव आचार्य जी ने स्वतंत्रता सेनानी वीर सावरकर का अपमान किया है, इन्हें माफी मांगनी चाहिए। (व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : आप मुझे भी बोलने की आजादी नहीं दे रहे हैं।

श्री अनंत गंगाराम गीते : माननीय आचार्य जी ने वीर सावरकर का अपमान किया है, इन्हें माफी मांगनी चाहिए। (व्यवधान)

श्री अमर राय प्रधान (कूचबिहार) : आप लोग जानते भी हैं कि स्वतंत्रता की लड़ाई कैसे लड़ी गयी। (व्यवधान) आप हमसे माफी की बात कहते हैं। (व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Shri Amar Roy Pradhan, will you resume your seat now?

...(Interruptions)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Shri Sunil Khan, please resume your seat.

...(Interruptions)

MR. DEPUTY-SPEAKER: I am on my legs. Do you not see it? Will you resume your seat?

...(Interruptions)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Shri Geete, please tell him not to shout.

श्री मदन लाल खुराना : ऐसा मैं पहली बार देख रहा हूँ कि सदन में स्वतंत्रता सेनानी का अपमान किया जा रहा है।

MR. DEPUTY-SPEAKER: Shri Anil Basu, please resume your seat.

...(Interruptions)

MR. DEPUTY-SPEAKER: There are not many speakers. Of course, I told you that whatever defamatory, unparliamentary and derogatory remarks are there, I would be expunging it.

...(Interruptions)

SHRI PRAMOD MAHAJAN : It is a defamatory remark against a freedom fighter. ...(Interruptions) The issue itself is defamatory. ...(Interruptions)

MR. DEPUTY-SPEAKER: I have not heard Shri Acharia.

...(Interruptions)

SHRI PRAMOD MAHAJAN: That is the problem. ...(Interruptions)

MR. DEPUTY-SPEAKER: I called Shri Giridhari Lal Bhargava. Shri Bhargava, do you want to raise the matter?

...(Interruptions)

श्री अनंत गंगाराम गीते : उपाध्यक्ष महोदय, बसुदेव आचार्य जी ने वीर सावरकर का अपमान किया है। उन्हें माफी मांगनी चाहिए। आजादी की लड़ाई लड़ने वाले सेनानियों का अपमान इस सदन में नहीं होना चाहिए। आज हम उनकी बदौलत सदन में हैं। **â€** (व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय: श्री गीते, क्या आप जीरो आवर नहीं चाहते?

â€ (व्यवधान)

श्री अनंत गंगाराम गीते : स्वतंत्रता सेनानियों का अपमान सदन में नहीं होना चाहिए। वीर सावरकर का इस तरह से अपमान नहीं होना चाहिए। आचार्य जी को इसके लिए माफी मांगनी चाहिए। जीरो आवर आजादी की लड़ाई लड़ने वाले सेनानियों से बढ़ कर नहीं है। उन्हें पहले माफी मांगनी चाहिए। इस तरह से स्वतंत्रता सेनानियों का अपमान बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है। आप उनसे माफी मांगने के लिए कहें **â€** (व्यवधान)

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह : प्रधान मंत्री जी ने ग्वालियर में जो बयान दिया, उसके लिए वह भी माफी मांगें। **â€** (व्यवधान)

SHRI BASU DEB ACHARIA : They have insulted the freedom fighter. ...(Interruptions)

श्री मदन लाल खुराना : उपाध्यक्ष महोदय, संसद में ऐसा पहली बार हो रहा है कि किसी स्वतंत्रता सेनानियों के खिलाफ ऐसी बातें कह कर चर्चा हो रही है। अनेक लोगों ने आजादी की लड़ाई लड़ी और बलिदान दिया। इस बारे में विचारों में मतभेद हो सकते हैं। केवल कम्युनिस्टों को छोड़ कर सभी तरह के लोगों ने आजादी की लड़ाई में हिस्सा लिया था। जिन्होंने आजादी के लड़ाई में अपनी कुर्बानी दी, उनको कम नहीं आंका जा सकता है। आजादी के बाद जब चीन का हमला हुआ तो कम्युनिस्ट पार्टी ने चीन का साथ दिया था। आज वे ऐसी बातें करके स्वतंत्रता सेनानियों का अपमान कर रहे हैं। **â€** (व्यवधान) उपाध्यक्ष

महोदय, आप मुझे क्षमा करें, ऐसे महापुरुष के बारे में यहां ऐसे बोलने की इजाजत देना ठीक नहीं है। **â€** (व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Shri Bhargava. What is this, Shri Sahib Singh?

...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : यह सब क्या है? मि. गिरधारी लाल भार्गव ।

...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : ज़ीरो ऑवर चलाना है या नहीं? मैं जब आ गया हूँ तो रिकार्ड देखूंगा। अगर उसमें डिफेमटरी, अनपार्लियामेंटरी, या डेरोगेटरी होगा, उसे एक्सपंज कर दूंगा।

...(व्यवधान)

श्री अनंत गंगाराम गीते : उपाध्यक्ष महोदय, आजादी की लड़ाई में भाग लेने वाले किसी भी स्वतंत्रता सेनानी का अपमान करने का अधिकार इस सदन के किसी भी सदस्य को नहीं है। श्री आचार्य को माफी मांगनी चाहिये। (व्यवधान)

श्रीमती भावनाबेन देवराजभाई चिखलिया (जूनागढ़) : उपाध्यक्ष महोदय, आप हमें तो मना कर रहे हैं लेकिन उन लोगों को अलाऊ कर रहे हैं। मैं खड़ी हूँ..

उपाध्यक्ष महोदय : आप खड़ी रहें, मैं क्या करूँ? कोई सुनता ही नहीं है। मैंने पहले ही कहा है कि जो भी रिकार्ड में अनपार्लियामेंटरी, डेरोगेटरी या डिफेमटरी होगा, उसे रिकार्ड से निकाल दूंगा।

श्रीमती भावनाबेन देवराजभाई चिखलिया : उपाध्यक्ष महोदय, इन लोगों ने स्वतंत्रता सेनानी का अपमान किया है, इन लोगों को माफी मांगनी चाहिये। (व्यवधान)

श्री सुदीप बंधोपाध्याय (कलकत्ता उत्तर पश्चिम) : मि. डिप्टी स्पीकर, कम्युनिस्टों की यह आदत है ...* (व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: The House stands adjourned to meet again at 2.00 p.m.

12.27 hrs

The Lok Sabha then adjourned till Fourteen of the Clock.

* Expunged as ordered by the chair

14.04 hrs.

*The Lok Sabha re-assembled at four minutes
past Fourteen of the Clock.*

14.04 hrs.

(Shri P.H. Pandian *in the Chair*)

MR. CHAIRMAN : The House will now take up matters under rule 377.